E-Learning Study Material

By Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Part TWO Economics Hons
Paper third

Technological causes of Low Productivity Of Indian Agriculture:-

(iii) कम उपजाऊ जमीन पर खेती :- देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण पोषण का खाद्यान्न जुटाने के लिए किसानों को बाध्य होकर अपेक्षाकृत कम उपजाऊ जमीन पर खेती करनी पड़ रही है। कृषि की कम उपज होने का एक कारण यह भी है।

(iv) कमजोर पशु :- भारतीय कृषि में पशुओं का बहुत ही महत्व है। हलों को खींचने के लिए बैल तथा खाद, दूध, दही, घी के लिए अन्य पशुओं पर आश्रित रहना पड़ता है। लेकिन भारत का पशुधन बहुत ही कमजोर तथा खराब नस्ल का है। पौष्टिक चारे एवं समुचित चिकित्सा के अभाव में पशु कमजोर एवं विभिन्न रोगों से ग्रस्त होजाते हैं। इस कमजोर पशुधन के कारण भी कृषि की उपज भी कम होती है।

(v) फसलों की बिमारियों, कीड़े मकोड़ों जानवरों आदि का प्रकोप :- भारत में फसलों की विभिन्न बिमारियों कीड़े मकोड़ों, टिड्डी तथा चूहे, बन्दर, लोमड़ी एवं अन्य जंगली जानवरों से प्रति वर्ष फसल की बहुत ही बर्बादी होती है। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि देश में करीब 5 प्रतिशत फसल इस प्रकार नष्ट हो जाती है।

B. तकनीकी कारण (Technological Causes) :-

भारतीय कृषि की कम उपज या पिछड़े होने के निम्नलिखित तकनीकी कारण हैं -

(i) खेती की प्राचीन एवं अवैज्ञानिक प्रणाली :- भारत में अभी भी प्राय: प्राचीन अवैज्ञानिक तरीके से खेती की जाती है। यहाँ हलबैल से पुराने ढंग से खेतों की जुताई होती है, सिंचाई, फसल बोने काटने तथा फसल के तैयार करने के पुराने तरीके ही प्रयोग में लाये जाते हैं तथा खेतों में पुराने तरीके के खाद बीज का ही प्रयोग किया जाता है। भारत में फसलों को बदल कर (Rotation of Crops) की प्रणाली प्राय: नहीं अपनायी जाती है एवं खेती के नये और वैज्ञानिक तरीकों को भी प्राय: काम में नहीं लाया जाता है। इन सब कारणों से कृषि की उपज कम होती है।